राधा मोहन सिंह
RADHA MOHAN SINGH

सत्यमेव जयते

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF AGRICULTURE
& FARMERS WELFARE
GOVERNMENT OF INDIA

भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान के नौवें दीक्षांत समारोह के अवसर पर मेरा

संदेश

आज मैं दक्षिण-पूर्वी एशिया के विख्यात १२७ वर्ष प्राचीन भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान के नौवें दीक्षांत समारोह के अवसर पर अपरिहार्य कारणों से आप लोगों के बीच नहीं पहुंच सका। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि विश्व के सबसे बड़े पशुधन व कुक्कुट धन के स्वास्थ्य एवं उत्पादकता की उन्नति एवं इसके सफल प्रबन्धन के अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य को करते हुये इस संस्थान ने उत्कृष्ट शोध, शिक्षण, प्रशिक्षण एवं प्रसार शिक्षा में विश्वव्यापी ख्याति अर्जित की है।

दीक्षांत के इस अति विशेष अवसर पर आप सभी डिग्रीधारी छात्रों को जिन्होंने आज अपनी मेहनत व लगन से उपाधियां और सम्मान प्राप्त किया है और इस संस्थान को छोड़ कर एक नई जिम्मेदारी की ओर कदम रख रहे हैं, दीक्षा के सफल समापन पर मैं सबको हृदय से बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। साथ ही मैं यहां के समर्पित अनुसंधानकर्ताओं, शिक्षकों, छात्रों और स्टाफ को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ। मैं हमारे युवा छात्रों से यह साझा करना चाहता हूँ कि अपने गुरुजनों के द्वारा एवमं अपनी कड़ी मेहनत से जो उच्च शिक्षा और तकनीकी ज्ञान उन्होंने दक्षिण-पूर्वी एशिया के इस प्राचीनतम भारतीय पशुचिकित्सा संस्थान में प्राप्त किया है उसका उपयोग करके उन्हें देश व समाज के लिए क्या करना है। हमारा देश एक घनी आबादी वाला विकासशील देश है, जहां प्रगति एवं विकास के बहुत अवसर हैं, लेकिन ये केवल उन्ही के लिए जो स्वयं को स्वस्थ प्रतिस्पर्धी और उद्यमी बनाने के लिए एवं इस मार्ग में आने वाली कठिनाइयों का सहर्ष सामना करने के लिए तैयार हों।

सहस्राब्दी की बढ़ती चुनौतियों का सामना करने के लिए देश को आज ऐसे कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता है जो समर्पित भाव से कार्य करते हुये अनुसंधान, शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा व प्रशिक्षण के माध्यम से स्वस्थ व उन्नत पशु एवं कुक्कुट धन के विकास तथा स्व-रोजगार योजना के क्रियान्वयन में एक सार्थक एवं सक्रिय भूमिका निभा सके। मेरा विश्वास है कि आप ऐसा करने में पूर्णतया सक्षम हैं। इस संस्थान ने आप सभी को नवीनतम ज्ञान के साथ तैयार किया है तथा आपको एक नई सोच दी कि आप अवसरों और उद्यमिता से भरी इस रोमांचक और तेजी से बदलती दुनिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकें। मैं आप सभी युवा शिक्षित कर्मियों का किसानों, पशुपालकों एवं गरीबों की सेवा के माध्यम से देश की सेवा, उद्यमशीलता व चुनौतीपूर्ण कार्य करने के लिए, अपने आप को समर्पित व विकसित करने के लिए आवाहन करता हूँ।

ईश्वर से मेरी कामना है कि आपका आने वाला कल सुखद, स्वर्णिम व सन्तोष से परिपूर्ण हो।

वन्दे मातरम् .....वन्दे मातरम् .....वन्दे मातरम्

जय हिन्द

(श्री राधा मोहन सिंह)

Office: Room No. 120, Krishi Bhawan, New Delhi-110 001 Tel.: 23383370, 23782691 Fax: 23384129